an>

Title: Regarding death of tea garden workers due to starvation.

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर) : महोदया, उत्तरी बंगाल में चाय बगीचों के मजदूर मौत की कगार पर खड़े हैं। पिछले दो महीने में दो सौ से ज्यादा चाय बगानों के मजदूरों की मौत हो चुकी है। उनके घर में न तो पानी है, न खाना है, न बिजली है और न ही उनके स्वास्थ्य का कोई प्रावधान है। उनकी हालत देखकर आपकी आंखों में आंसू आ जाएंगे कि हिंदुस्तान में ऐसी जगह है जहां भुखमरी से मौतें हो रही हैं। ये चाय बगीचे छोटे-छोटे सोमालिया में तब्दील हो चुके हैं। हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री स्वयं को चाय बेचने वाले का बेटा कहकर गर्व करते हैं और यह गर्व होना भी चाहिए। लोकतंत्र में सबको स्वतंत्रता है। चाय बेचने वाले प्रधानमंत्री जी के ज़माने में बंगाल के चाय बगीचों के मजदूरों की जिस हालत में मौत हो रही है, इसके संदर्भ में मैं सरकार को कहना चाहूंगा कि उन्हें बचाने के लिए सूबे की सरकार के साथ मिलकर काम करे क्योंकि सूबे की सरकार उनकी अनदेखी कर रही है। चाय बगीचों के मालिक मजदूरों को प्रोविडेंट फंड नहीं देते हैं, मिनिमम वेज नहीं देते हैं और दूसरी सुविधाएं भी नहीं देते हैं। मैं सरकार से आग्रह करूंगा कि चाय बगीचे के मजदूरों को बचाए जो कि आज मौत की कगार पर खड़े हैं।

HON. SPEAKER: Shri Md. Salim and Rajeev Satav you can associate with him.

श्री मोहम्मद सलीम और

श्री राजीव सातव को श्री अधीर रंजन चौधरी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।